सार-समाचार

संगठन की शक्ति है सदस्यता : रवि आचार्य

श्रीडूंगरगढ़। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (विद्यालय शिक्षा) ब्लॉक श्रीडूंगरगढ़ की संवाद बैठक शनिवार को बीघा बास स्थित सनातन योग सेवा केन्द्र में आयोजित की गई। दयाशंकर शर्मा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शिक्षकों की ज्वलंत समस्याओं और संगठन की मजबूती पर विस्तृत मंथन किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि आचार्य ने कहा कि महासंघ राज्य स्तर पर उच्चाधिकारियों के साथ निरंतर संवाद कर रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि शिक्षकों की तात्कालिक समस्याओं के समाधान के लिए संगठन पूरी तरह सक्रिय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सदस्यता ही संगठन की असली शक्ति का आधार है इसलिए एक लक्ष्य के साथ अधिकाधिक शिक्षकों को संगठन से जोड़ने का आव्हान पदाधिकारियों से किया। प्रदेश उपाध्यक्ष ओमप्रकाश विश्नोई ने सदस्यता अभियान को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने का आव्हान किया तथा साथ ही संगठन मांग पत्र एवं तात्कालिक शिविरा पंचांग की विसंगतियों को दूर नहीं होने की स्थिति में राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी भी दी। अतिरिक्त जिला मंत्री मोहम्मद फैसल, अनिल सोनी और राजशेखर हर्ष ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षक हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।बैठक में शिक्षकों के हितों को लेकर विभिन्न मांगों पर चर्चा की गई जिसमें ग्रीष्मावकाश और संस्था प्रधानों के अवकाश में की गई कटौती को तुरंत वापस लेने, तृतीय श्रेणी शिक्षकों की पदोन्नति हेतु न्यायालय में प्रभावी पैरवी करने, स्थानांतरण के साथ पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण करने और डीपीसी से पदोन्नत शिक्षकों के पदस्थापन का मार्ग प्रशस्त करने की मांग उठी। साथ ही शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त कर केवल शिक्षण कार्य के लिए विद्यालयों में रखने ,होली और दीपावली अवकाश के बाद विद्यालय समय में तर्कसंगत परिवर्तन करने,स्टाफिंग पैटर्न के अनुसार नए पदों का सृजन कर रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग की गई।संगठन ने एक समान भाव से आपसी सहमति के आधार पर जनगणना ड्यूटी में परिवर्तन का विकल्प अनुसार संशोधित आदेश जारी करवाने की मांग की गई।बैठक के अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने सदस्यता अभियान को गति देने और शिक्षक एकता को और अधिक सशक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

बिना कोचिंग के आरएएस बनी शालू

श्रीगंगानगर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आरएएस परीक्षा-2024 का अंतिम रिजल्ट शनिवार को जारी कर दिया। श्रीगंगानगर जिले के ग्रामीण क्षेत्र की बेटी शालू कस्वां ने पहले प्रयास में ही आरएएस परीक्षा क्लियर करते हुए 8वीं रैंक हासिल की है। वहीं, सूरतगढ़ क्षेत्र की ममता लिम्बा ने 27वीं रैंक और साहिल जुरासिया ने 93वीं रैंक हासिल की है। रायसिंहनगर क्षेत्र के गांव ततारसर (50 एनपी) की रहने वाली शालू कस्वां कला संकाय से स्नातक हैं। उनके पिता चेतराम कस्वां किसान हैं, जबकि मां कमलेश देवी गृहिणी। छोटे भाई पुनीत कस्वां भी पढ़ाई कर रहे हैं। शालू ने बताया- स्नातक पूरा करने के बाद उन्होंने घर पर ही सेल्फ स्टडी शुरू कर दी। कोचिंग का सहारा लिए बिना, अनुशासित दिनचर्या और लगातार मेहनत से उन्होंने पहले ही अटेम्प्ट में यह मुकाम हासिल किया। रिजल्ट आने के बाद परिवार में जश्न का माहौल छा गया। माता-पिता ने बेटी को मिठाई खिलाई और ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। सूरतगढ़ क्षेत्र की ममता लिम्बा ने 27वीं रैंक हासिल की है। ममता लिम्बा वर्तमान में सीएडी सिंचाई विभाग में जूनियर अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत हैं और अपनी मेहनत व लगन से यह मुकाम हासिल किया है। सूरतगढ़ क्षेत्र के गांव सिद्धूवाला निवासी साहिल जुरासिया ने भी अपनी मेहनत से सभी को प्रभावित किया है। उनके पिता विनोद कुमार जुरासिया चूनावढ़ पुलिस थाने में एएसआई के पद पर तैनात हैं, जबकि मां रविना जुरासिया गृहिणी हैं। साहिल ने घर पर रहते हुए रोजाना 10 से 12 घंटे की नियमित पढ़ाई की। लगातार प्रयासों के बाद तीसरे अटेम्प्ट में उन्होंने 93वीं रैंक हासिल की। साधारण परिवार से आने वाले साहिल की यह सफलता उनके परिश्रम और लगन की मिसाल है।

पूजा सारस्वत की आरएएस में 844 वीं रैंक

अरजनसर। कस्बे की बेटी पूजा सारस्वत ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा में अंतिम रूप से चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पूजा ने अपने पहले ही प्रयास में यह उपलब्धि हासिल की है और उनकी रैंक 844वीं रैंक रही है। पूजा, ईमीलाल सारस्वत की बेटी हैं। उनका परिवार साधारण लेकिन मेहनती पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ है। उनके पिता दुकानदार होने के साथ-साथ खेती भी करते हैं, जबकि चाचा-ताऊ भी कृषि कार्य से जुड़े हैं। परिवार में शिक्षा और मेहनत का माहौल रहा है। पूजा ने अपनी तैयारी सेल्फ स्टडी के साथ कोचिंग के जरिए पूरी की। उनकी इस उपलब्धि को और खास बनाता है कि यह परिवार की दूसरी बड़ी सफलता है उनका भाई बिजली विभाग में कार्यरत है, वहीं उनकी छोटी बहन भी पटवारी चयन प्रक्रिया में अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। पूजा के ताऊ ने बताया कि वह परिवार की सबसे होशियार बच्ची है, जो दिन-रात मेहनत करती रही है। उन्होंने कहा कि पूजा की लगन और निरंतर प्रयास ही उसकी सफलता की सबसे बड़ी वजह हैं। इंटरव्यू के दौरान उनसे कर्म और भाग्य पर सवाल पूछा गया, जिस पर पूजा ने संतुलित जवाब देते हुए कहा कि वह दोनों में विश्वास रखती हैं और 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का उदाहरण दिया। विदेशी महिलाओं को साड़ी पहनने के लिए प्रेरित करने के सवाल पर उन्होंने साड़ी के सांस्कृतिक महत्व और देश की शीर्ष पदों पर आसीन महिलाओं के उदाहरण प्रस्तुत किए। पूजा ने कहा कि यह सफलता उनके परिवार के सहयोग और उनकी निरंतर मेहनत का परिणाम है। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि लक्ष्य स्पष्ट रखें और मेहनत में कोई कमी न छोड़ें।

आखातीज और बीकानेर स्थापना दिवस पर कृषि मंडी बंद

नोखा। यहां अक्षय तृतीया (आखातीज) और स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 20 अप्रैल 2026 को कृषि मंडी पूरी तरह बंद रहेगी। इस दिन मंडी में नीलामी कार्य स्थगित रहेगा। वहीं, 19 अप्रैल को रविवार होने के कारण लगातार दो दिन मंडी में बोली नहीं लगेगी, जिससे व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित रहेंगी। कच्ची आढ़त के अध्यक्ष सुभाष जाखड़ ने बताया कि आखातीज के अवसर पर 20 अप्रैल को मंडी में नीलामी कार्य पूर्ण रूप से बंद रहेगा। यह निणन्य परंपरागत पर्व के सम्मान और व्यापारियों को अवकाश देने के उद्देश्य से लिया गया है। किसान सभा नोखा के मीडिया प्रभारी दिनेश ज्याणी ने किसानों से अपील की है कि वे 19 और 20 अप्रैल को अपनी उपज मंडी में न लाएं। उन्होंने कहा कि लगातार दो दिन बोली बंद रहने से किसानों को अनावश्यक परेशानी हो सकती है। ज्याणी ने किसानों को सलाह दी है कि वे अपनी उपज 21 अप्रैल के बाद ही मंडी लेकर पहुंचें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। इस फैसले का उद्देश्य किसानों और व्यापारियों दोनों को पारंपरिक त्योहारों में शामिल होने का अवसर देना है।

11 मंदिरों में सजी आस्था और सौंदर्य की अनूठी छटा

बीकानेर। नगर स्थापना दिवस पर शनिवार को शहर के 11 प्रमुख मंदिरों को भव्य पुष्प रंगोलियों से सजाया गया। देवस्थान विभाग की इस अनूठी पहल ने न केवल श्रद्धालुओं का मन मोह लिया, बल्कि शहर के सांस्कृतिक और धार्मिक वातावरण को भी नई ऊर्जा प्रदान की। देवस्थान विभाग के सहायक निदेशक गौरव सोनी ने बताया कि विशेष आयोजन के तहत रसिक शिरोमणि मंदिर, राज रतन बिहारीजी मंदिर, लक्ष्मीनाथ जी मंदिर, गोपीनाथ मंदिर, धनीनाथ मंदिर, जगन्नाथ जी मंदिर, ललेश्वर महादेव जी मंदिर(शिवबाड़ी), शिखरबंद महादेव मंदिर (सुरसागर), करणी माता मंदिर (सुरसागर), करणी माता मंदिर (विजय भवन) तथा नागनेची जी मंदिर में आकर्षक पुष्प सज्जा की गई। कार्यक्रम संयोजक श्रीमती ज्योति स्वामी ने बताया कि शहर के 11 मंदिरों में 51 प्रतिभागियों द्वारा रंग-बिरंगे फूलों से निर्मित मनमोहक रंगोलियों ने भक्ति और कला का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। पुष्प रंगोली कार्यशाला में प्राप्त प्रशिक्षण का उत्कृष्ट उपयोग करते हुए प्रतिभागियों ने अपनी सृजनात्मकता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। श्रीमती स्वामी ने बताया।

प्रथम पाषाण महोत्सव 23 को

अजमेर। जिनदत्तसूरि महाराज के समाधि स्थल, विश्व की प्रथम दादाबाड़ी में 23 अप्रैल को प्रथम पाषाण (भट्ट शिला) महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम मनोहर जी महाराज के सानिध्य में संपन्न होगा। जीर्णोद्धार समिति के संयोजक भीमराज बोहरा और प्रवक्ता रिखब सुराणा ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ प्रात: 6:15 बजे स्नात्र पूजा और पाटला पूजन के साथ होगा।

अखातीज के अबूझ सावे पर बीकानेर जिले में 400 से अधिक शादियां होने के आसार

■ तृतीया तिथि 19 को अप्रैल को ही शुरू हो जाएगी। ऐसे में कुछ लोग 19 अप्रैल को भी अक्षय तृतीया से जुड़े आयोजन करेंगे।

बीकानेर। इस बार बीकानेर में अक्षय तृतीया 20 अप्रैल को मनाई जाएगी। हालांकि, तृतीया तिथि 19 को अप्रैल को ही शुरू हो जाएगी। ऐसे में कुछ लोग 19 अप्रैल को भी अक्षय तृतीया से जुड़े आयोजन करेंगे। हालांकि, उदीयमान तिथि के अनुसार अक्षय तृतीया 20 अप्रैल को ही मनाई जाएगी। नगर सेठ लक्ष्मीनाथ मंदिर सहित शहर के कई मंदिरों में अक्षय तृतीया के आयोजन 20 अप्रैल को ही होंगे। अक्षय तृतीया अबूझ सावा होता है। ऐसे में शहर में बड़ी संख्या में विवाह के आयोजन होंगे। विवाह के आयोजन भी 20 अप्रैल को ही होंगे।

ज्योतिर्विद पंडित के अनुसार 19 अप्रैल को बीकानेर का स्थापना दिवस रहेगा। इस दिन शुभ मुहूर्त रहेंगे। ऐसे में 19 और 20 अप्रैल दोनों दिन शुभ मुहूर्त होने के कारण दोनों ?ही दिन सोना चांदी सहित खरीदारी का विशेष महत्व रहेगा। वैशाख शुक्ल तृतीया तिथि 19 अप्रैल को सुबह 10.50 बजे से शुरू होकर 20 अप्रैल सुबह 7.28 बजे तक रहेगी। अक्षय तृतीया के दिन की गई खरीदारी समृद्धि देने वाली होती है। इस दिन सोना चांदी खरीदना तो शुभ होता ही है। इसके साथ ही अगर अन्य कोई वस्तु भी खरीदें तो वो भी समृद्धि देने वाली होती है। इस दिन जौ खरीदना परिवार की समृद्धि बढ़ाता है। घर में सकारात्मक ऊर्जा के लिए सेंधा नमक खरीदना शुभ माना जाता है। मिट्टी का पात्र खरीदना मंगल ग्रह को मजबूत करता है और फलदायी है। पीली सरसों या हल्दी की गांठ गुरु ग्रह को मजबूत करती हैं और दरिद्रता दूर करती है। अखातीज के अबूझ सावे पर इस बार बीकानेर जिले में 400 से अधिक शादियां होगी। एक ही दिन में बाजार में भी लाखों रुपए का कारोबार होगा। इसमें सबसे ज्यादा सोने व चांदी पर पर खर्च होंगे। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स व फर्नीचर पर बड़ी संख्या में राशि खर्च होगी। जिला टेंट व्यवसाय वेलफेयर समिति की ओर से शादी वालों घरों में दूल्हा-दुल्हन का आधार कार्ड देखने के बाद ही बुकिंग करेंगे।

फोटोग्राफी प्रदर्शनी 21 से

बीकानेर। पश्चिमी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एक संवेदनशील और आत्मीय दृष्टि से देखने का अवसर अब बीकानेर में उपलब्ध होगा। मलंग फोक फाउंडेशन द्वारा 'मैपिंग कल्चर्स' शीर्षक से प्रख्यात फोटोग्राफर एलिज़ाबेथ सिम्सन (1931-2025) की फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन गंगाशहर स्थित सेंटर फॉर लाइफ, धरम सज्जन ट्रस्ट में किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 21 अप्रैल से 10 मई तक प्रतिदिन प्रात: 10:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी। एलिज़ाबेथ सिम्सन द्वारा पिछले कई दशकों में राजस्थान और गुजरात के विभिन्न हिस्सों में किए गए यात्राओं के दौरान लिए गए ये चित्र केवल दृश्य दस्तावेज़ नहीं हैं, जीवन-शैली और सांस्कृतिक परंपराओं के जीवंत साक्ष्य भी हैं। उनकी दृष्टि में ग्रामीण जीवन, लोक कलाएँ, वस्त्र परंपराएँ और मानवीय भावनाएँ एक विशेष संवेदनशीलता और गहराई के साथ उभरकर सामने आती हैं।

किसानों को मिलेगा भावांतर योजना का लाभ

पूंगल। केंद्र सरकार आगामी खरीद सीजन में नरमा-कपास उत्पादक किसानों के लिए भावांतर योजना लागू करने की तैयारी कर रही है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को लाभ पहुंचाना और सरकारी खरीद प्रक्रिया से जुड़े झंझटों को कम करना है। इस योजना के तहत, किसान अपनी नरमा-कपास की फसल को सीधे बाजार में बेच सकेंगे। उन्हें दुकानदार से पक्का बिल प्राप्त कर विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन अपलोड करना होगा। अपलोड किए गए बिल के आधार पर, बाजार दर और सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य के बीच का अंतर सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित किया जाएगा। इससे किसानों को एमएसपी खरीद केंद्रों पर तुलाई के लिए लंबी कतारों में लगने की आवश्यकता नहीं होगी और अन्य परेशानियों से भी मुक्ति मिलेगी।

'छत पर कीन्नो अटकीयोड़ो' शास्त्रीय संगीत की विभिन्न रागों ने मन मोहा

बीकानेर। आनन्द संगीत कला संस्थान के बैनर तले 539 वें स्थापना दिवस पर संगीत का कार्यक्रम 'आनन्द भवन' सुनारों की गुवाड़ में रखा गया। 'छत पर कीन्नो अटकीयोड़ो' शीर्षक से संगीत कलाकारों ने एक से बढकर एक संगीत की प्रस्तुतियां देकर सभी की तालियाँ बटोरी। कार्यक्रम में अध्यक्ष राजाराम स्वर्णकार, मुख्य अतिथि डॉ.ज्योति सारस्वत जयपुर एवं विशिष्ट अतिथि महेंद्रकुमार दाधीच श्री डूंगरगढ़ थे। कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत की विभिन्न रागों में 'छत पर कीन्नो अटकीयोड़ो' गीत की प्रस्तुतियां चैतन्य सहल, प्रेरणा पंचारिया, खुशी पंचारिया, मोनिका, महक, कोमल द्वारा दी गयी। सितार पर संगत गीता सोनी, हारमोनियम पर ज्ञानेश्वर सोनी और तबले पर संगत गौरीशंकर सोनी ने की। गायक कलाकारों ने राग- भीम पलासी, मालकौंस, कलावती, भिन्न षड़ज ताल कहरवा राग देश में प्रस्तुतियां दी। साथ ही गीतों की प्रस्तुती के समय राग में लगने वाले वादी, संवादी, अनुवादी और विवादी स्वर लय, ताल तथा समय सम्बन्धी शास्त्रीय नियमों का पालन किया गया। बाहर से पधारे अतिथियों का सम्मान पुष्पमाला, शोल, एवं संगीत साहित्य प्रदान कर किया गया।

मुख्य अतिथि जयपुर की डॉ.ज्योति सारस्वत ने कहा- भारतीय जीवन में संगीत उस समय से व्याप्त है, जब पृथ्वी का विकास भी पूर्ण रूप से नहीं हुआ था। विशिष्ट अतिथि महेंद्रकुमार दाधीच ने कहा कि- मनुष्य के आन्तरिक मनोवेगों का निरन्तर बजने वाला तन्त्री नांद ही उसका संगीत है। मनुष्य चेतना सम्पन्न प्राणी है। वह सृष्टि का अनुभव प्रास करता है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कवि-कथाकार राजाराम स्वर्णकार ने कहा कि - संगीत अनुराग और विराग का उमड़ता हुआ प्रवाह है। साध्य तक जाने का साधन है। झरनों के प्रवाह में, जल की लहराती लहरों में, आँधी के हाहाकार में, कलियों के नृत्य में, पक्षियों के कलरव में जिस प्रकार संगीत व्याप्त है उसी भांति मनुष्य के अन्त:करण में भी उसकी मधुर ध्वनि गुंजार करती है। संगीत गुरु अहमद बशीर सिसोदिया ने कहा कि दुख-सुख में जन्म पर, मृत्यु पर जीवन की प्रत्येक अवस्था में संगीत की कड़ी जुड़ी हुई है। तभी तो हम हर त्यौहार को हर्षोल्लास से मनाते हैं। संस्था अध्यक्ष ज्ञानेश्वर सोनी ने संगीत प्रस्तुतियों पर संतुष्टता प्रकट करते हुए कहा कि - हमारे जीवन के किसी भी मोड़ पर जन्म से मृत्यु तक हमें संगीत मिलेगा। प्रकृति के कण-कण में संगीत की सजीवता दिखाई देती है। हमारे किसी भी तीज-त्योहार पर संगीत उपलब्ध है। आज की संगीत प्रस्तुतियां यह संदेश देती है कि हम किसी भी त्यौहार का भरपूर आनन्द ले सकते हैं।

खाद्य मंत्री ने लूणकरणसर में किया विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास

■ प्रदेश का हर गांव विकास की नई कहानी लिख रहा है और आने वाले पांच वर्षों में लूणकरणसर की सूरत बदल जाएगी।

लूणकरणसर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश का हर गांव विकास की नई कहानी लिख रहा है और आने वाले पांच वर्षों में लूणकरणसर की सूरत बदल जाएगी।

मंत्री गोदारा ने बताया कि लूणकरणसर क्षेत्र पहली बार विकास की राह पर आगे बढ़ा है। पानी, बिजली, सड़क, स्कूल, कॉलेज, शिक्षा और चिकित्सा सहित प्रत्येक क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं। उन्होंने 'विकसित लूणकरणसर, शिक्षित लूणकरणसर' के संकल्प की दिशा में तेजी से बढ़ने की बात कही। प्रधान कानाराम गोदारा ने बडेरण ग्राम पंचायत में कैबिनेट मंत्री की अनुशंसा से हुए 4 करोड़ रुपए के दर्जनों विकास कार्यों का उल्लेख किया। सरपंच प्रतिनिधि मुरारी बेनीवाल ने अतिथियों और ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व बडेरण गांव में मंत्री गोदारा का पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान भामाशाह इंद्रराज मेघवाल (कुम्भासर बास में सामुदायिक भवन के लिए भूमि दान) और मुखराम बेनीवाल (पंचायत भवन व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए भूमि दान) को मंत्री गोदारा ने साफा पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सरपंच यूनियन जिलाध्यक्ष राजाराम झोरड़, अमराराम सियाग, बिशननाथ सिद्ध, सावन पुरोहित, पूर्व सरपंच कन्यालाल सारण, सुभाष कड़वासरा, आत्माराम विश्नोई, जितेंद्र गोदारा, राधेश्याम भादू, भूरसिंह बीका, अजमल हुसैन, महेंद्र धतरवाल, गायत्री बेनीवाल सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंत्री ने फूलदेसर के महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय में 12.38 लाख रुपये की लागत से बने एक कक्षाकक्ष, मुख्य गुवाड़ में 10 लाख रुपये के चौक व टीन शेड तथा 40 लाख रुपए के खेल मैदान विकास कार्यों का लोकार्पण किया। बडेरण के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 28 लाख रुपये की लागत से बने 4 कक्षाकक्षों, 30 लाख रुपए से निर्मित सीसी ब्लॉक, बस स्टैंड पर 11 लाख रुपये की प्याऊ, विद्यालय परिसर में 25 लाख रुपए के सीसी ब्लॉक कार्य, गांव में 50 लाख रुपए से सीवरेज बिछाने, 20 लाख रुपए के टीन शेड, मुख्य गुवाड़ में 30 लाख रुपए के पार्क निर्माण, विद्यालय में 5 लाख रुपए के झूले लगाने तथा 3 करोड़ रुपए से निर्मित सामुदायिक भवन, चारदीवारी, खाले निर्माण और अन्य कार्यों का लोकार्पण किया गया। सुलेरा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में 32 लाख रुपए की लागत से निर्मित 7 कक्षा कक्षों, 10 लाख रुपए के टीन शेड, 18 लाख रुपए की सार्वजनिक श्मशान भूमि की चारदीवारी व गेट, 8 लाख रुपए के कचरा संग्रहण केंद्र, 10 लाख रुपए की सार्वजनिक प्याऊ व डिग्गी तथा आवारा पशुओं के लिए 10 लाख रुपए के टीन शेड का लोकार्पण किया गया। भीखनेरारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 10 लाख रुपए की प्याऊ व अन्य विकास कार्यों, 10 लाख रुपए के टीन शेड तथा राईकाबास के राजकीय प्राथमिक विद्यालय की 3.50 लाख रुपए की चारदीवारी का भी लोकार्पण हुआ। रेख मेघाना में 10 लाख रुपए से निर्मित श्मशान भूमि की चारदीवारी का लोकार्पण तथा आर.डी. 295 में 6.81 करोड़ रुपए से कंवरसेन लिफ्ट नहर खालों के जीणोद्धार कार्य का शिलान्यास किया गया।

बीकानेर स्थापना दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित

■ कवि.कथाकार राजेन्द्र जोशी ने बीकानेर की समृद्ध परंपराओं रीति.रिवाजों और ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि विकास के साथ विरासत को संजोना भी उतना ही आवश्यक है। जोशी ने विभिन्न विषयों पर चर्चा करना और लोगों को जागरूक करना है।

बीकानेर। राव बीकाजी संस्थान एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में बीकानेर नगर के 539वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को श्हमारा नगरदृहमारी जिम्मेदारी विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन होटल लक्ष्मी निवास में किया गया। कार्यक्रम में शहर के संभ्रांत नागरिकों शिक्षाविदों पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई और शहर के समग्र विकास नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम संयोजक और वरिष्ठ साहित्यकार कवि.कथाकार राजेन्द्र जोशी ने बीकानेर की समृद्ध परंपराओं रीति.रिवाजों और ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि विकास के साथ विरासत को संजोना भी उतना ही आवश्यक है। जोशी ने विभिन्न विषयों पर चर्चा करना और लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने साम्प्रदायिक सद्भाव और बीकानेर के विकास पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने बीकानेर की गंगा जमुनी संस्कृति और साम्प्रदायिक सौहार्द की प्रशंसा की। विषय प्रवर्तन करते हुए संजय पुरोहित ने कहा कि शहर के विकास में नागरिकों की भागीदारी सबसे अहम है। उन्होंने जन.जागरूकता और सामूहिक प्रयासों को शहर की प्रगति की कुंजी बताया।वरिष्ठ पत्रकार मधु आचार्य ने कहा कि बीकानेर की पहचान उसकी सांस्कृतिक विरासत हैए जिसे संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने साफ.सफाई और अनुशासन को शहर की छवि सुधारने का आधार बताया। उपनिदेशक जनसंपर्क हरि शंकर आचार्य ने कहा कि शहर के विकास के लिए जनसहभागिता और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से सकारात्मक सोच के साथ प्रशासन के प्रयासों में सहयोग करने का आ ान किया।

गोष्ठी में महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष नरेश गोयल ने शहरी क्षेत्र में साप-सफाई प्लास्टिक के उपयोग पर नियंत्रणए ट्रैफिक नियमों की पालना तथा शहर की विरासत और परंपराओं के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। राजस्थान राज्य अभिलेखागार निदेशालय के पूर्व निदेशक डॉ नितिन गोयल ने कहा कि बीकानेर के विकास के लिए प्रशासन के साथ आमजन की सहभागिता भी अनिवार्य है।

कार्यक्रम में महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के अतिरिक्त कुल सचिव डॉ बिट्ठल बिस्सा सीटीओ रामलाल पडिहारए राजाराम स्वर्णकार डॉ अजय जोशी डॉ प्रशांत बिस्सा डॉ् गौरी शंकर प्रजापत राव बीकाजी संस्थान के रामलाल सोलंकी नरेंद्र सिंह स्याणी कमल रंगा बुलाकी शर्मा जुगल किशोर पुरोहित चित्रकार योगेंद्र पुरोहित बुलाकी शर्मा कमल रंगा सुधा आचार्य अर्चना थानवा गजेंद्र सिंह पूजा मोहता वेद प्रकाश अग्रवाल एडवोकेट महेंद्र जैन ओमप्रकाश सारस्वत विजय खत्री आत्माराम भाटी शशांक जोशी अजीज भुट्टा सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे। प्रारंभ में सचिव नरेंद्र स्याणी ने स्वागत उद्बोधन दिया। डॉ मोहम्मद फारूक चौहान ने आभार व्यक्त किया।

चाइनीज मांझे का किया दहन

बीकानेर। सर्व समाज मित्र एकता सेवा और वंदेमातरम मंच के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार की शाम को बीकानेर के हृदय स्थल कोटगेट पर जानलेवा चाइनीज का दहन किया सर्व समाज मित्र एकता सेवा समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एनडी क़ादरी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर चाइनीज मांझे की चपेट में आने से आठ वर्षीय मासूम विराट की गर्दन कटने से मृत्यु हो गई थी। ओर उसके परिवार में शादी का माहौल मातम में बदल गया। जो अत्यंत दुखादायी है इस बच्चे के मृत्यु पर मौजूद सभी लोगों ने दुख जताते हुए चाइनीज मांझे की होली जलाई। पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर सर्व समाज मित्र एकता सेवा समिति के संरक्षक सुनील दत्त नागल, वंदेमातरम मंच के राष्ट्रीय संयोजक एवं कोटगेट व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय कोचर, मित्र एकता सेवा समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एनडी क़ादरी, सुनील बांठिया,सचिव सैयद अख्तर, दिलीप गुप्ता, भवानी आचार्य, मेहबूब अली रंगरेज,रामकिशन महाराज, किसन जोशी, शाकिर हुसैन, जैना महाराज, हसन खिलजी, शिवदयाल उपाध्याय, नरसिंह भाटी, रामकिशोर यादव सहित आदि अन्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर वंदेमातरम मंच के संयोजक एवं कोटगेट व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय कोचर ने चाइनीज मांझे से मासूम बालक की मौत पर शोक जताते हुए कहा कि हम परिवार सहित आखातीज पर पतंग नहीं उड़ायेंगे।

सार-समाचार

सुरक्षित पतंगबाजी की शपथ दिलाई

बीकानेर। मरुधरा तरु गिफ्ट फाउंडेशन, बीकानेर द्वारा चलाये जा रहे तीन दिवसीय चाइनीज़ मांझा अभियान के दूसरे दिन आज शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्याथिन्यों को चाइनीज़ मांझे के घातक दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए सुरक्षित पतंगबाजी की शपथ दिलाई गई। वेबसोल कंप्यूटर इंस्टिट्यूट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर डॉ. अमित व्यासने प्रशिक्षणाथिन्यों को डिजिटल तकनीक के सकारात्मक उपयोग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्याथिन्यों से अपील की कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसट ूल्स का उपयोग कर चाइनीज़ मांझे के खतरों और बचाव के संदेश वाली रचनात्मक पोस्ट तैयार करें और सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पंहुचाकर जागरूकता फैलाएं। इस अवसर पर कर्णपाल सिंह ने सभी उपस्थित विद्याथिन्यों को मांझा प्रयोग न करने की शपथ दिलाई। मरुधरा तरु गिफ्ट फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. जगदीश वैष्णव ने विभिन्न पोस्टर और बैनर के माध्यम से चाइनीज़ मांझे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि यदि कोई व्यक्ति या पक्षी मांझे से घायल हो जाए, तो तुरंत किस प्रकार की प्राथमिक चिकित्सा दी जानी चाहिए।प्रियदर्शनी पब्लिक सीनियर सैकंडरी स्कूल के संस्था प्रधान डॉ फिरोज भाटी और इन्द्रकुंवर बाल निकेतन माध्यमिक विद्यालय के संस्था प्रधान अशोक उपाध्याय ने प्रार्थना सभा में विद्याथिन्यों को सुरक्षात्मक तरीके से पतंग उड़ाने के टिप्स दिए और चाइनीज़ मांझा न खरीदने का संकल्प दिलाया। अभियान के दौरान सर्व समाज बीकानेर संभाग के अध्यक्ष कर्णपाल सिंह ने पक्षियों के संरक्षण हेतु विशेष अपील करते हुए कहा कि छात्र सुबह 8 बजे से पहले और शाम 5 से 7 बजे के बीच पतंग न उड़ाएं, क्योंकि यह समय पक्षियों के विचरण का होता है। अभय पशुपालन महाविद्यालय बीकानेर के प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र नेत्रा ने भावी लाइवस्टॉक इंस्पेक्टर छात्रों को मांझे से घायल पक्षियों के प्राथमिक उपचार की तकनीकी जानकारी दी। यहाँ भी डॉ.जगदीश वैष्णव के सानिध्य में विद्यार्थियों ने अभियान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए शपथ ग्रहण की। संस्था कल मरुधरा ड्रीम कार्यालय के पास गवर्नमेंट प्रेस के सामने एक दिवसीय माँझे से घायल पक्षी चिकित्सा शिविर का आयोजन करेगा संस्था के महासचिव मनोज शर्मा जानकारी देते बताया किकिसी व्यक्ति को घायल पक्षी मिले तो शिविर मे लाकर उपचार कराने की अपील की संस्था के अनिल पांडे, महेश शुक्ला, अनुराग पांडे एंव सतीश पांडे संस्था द्वारा उक्त चलाये जारहे अभियान को सफल बनाने मे सक्रिय योगदान दें रहे है

सन्देश परक पतंग वितरित की

बीकानेर। स्थापना दिवस पर पतंगबाजी परवान पर रहती है ऐसे में चाइनीज मांझा इन्सान और परिंदों का काल बनता जा रहा है।चाइनीज़ मांझे के खिलाफ अभियान के अन्तर्गत सामाजिक कार्यकर्ता भूरमल सोनी,सीए प्रणाम ,सीए निकिता, ऐतिहासिक लेखक साहित्यकार रितेश व्यास, राजकुमार पुरोहित द्वारा तैयार की गई सन्देश परक पतंगें कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी द्वारा वितरित की गई। भाटी ने देशनोक में चाइनीज मांझे की चपेट में आकर काल का ग्रास बने बच्चे की मौत पर दु:ख व्यक्त करते संवेदना व्यक्त की तथा आमजन से सावधानी बरतने की अपील की। चायनीज मांझे से हुई पतंगों पर कलाकार भूरमल सोनी ने विभिन्न स्लोगन उकेरकर -चायनीज मांझा मौत का मांझा, प्लास्टिक डोर कटती सांसें, बच्चों को चायनीस मांझा न दिलाए , बाल विवाह, नशा, जल बचत आदि लिखी पतंगों का वितरण शहर में कई जगह किया गया। चाइनीज़ मांझे और बाल विवाह जैसी कुरीतियों एवं जल बचत तथा नशा मुक्ति सन्देश-चाईनीज मांझा मौत का पैग़ाम,छोटी उम्र में शादी,जीवन बर्बादी,बाल विवाह कलंक है, बच्चों के भविष्य की बर्बादी है, बाल-विवाह रोके -यह सामाजिक अभिशाप है तथा चाइनीज मांझा जानलेवा है इस्तेमाल वर्जित है, जल जिंदगानी है, पानी व्यर्थ बर्बाद न करें, नशा नाश का कारण ,प्लास्टिक डोर, जीवन समाप्त की ओर,सेन्थेटिक मांझा कट न जाए सांसों की डोर, इंसान व परिंदों की जिन्दगी का दुश्मन के अलावा बाल विवाह रोकथाम,जल बचत,नशे के खिलाफ आपरेशन नीलकंठ,श्लोगन अंकित किए गए ।पतंगों व पोस्टरों के जरिए सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ सन्देश दिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जस्सूसर गेट के विधाथिन्यों को पतंगों का वितरण कर जिला प्रशासन द्वारा चाइनीज़ मांझे के खिलाफ कानूनी निषेधाज्ञा जानकारी दी गई। स्कूल प्रिंसिपल वीना तंवर, शारीरिक शिक्षक विपिन गोड़,ने विद्याथिन्यों को चायनीज मांझे का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलाई।आमजन को चीनी मांझे, बाल-विवाह, नशा मुक्ति, पानी बचत आदि जागरूकता अभियान,कनक कंचन कचन,लक्ष्मण सहदेव, का सहयोग रहा। सामाजिक कार्यकर्ताओं के अभियान की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक कुरीतियों, कातिल मांझे, पानी के दुरुपयोग तथा शहर को नशाखोरी से बचाने में आमजन भागीदारी निभाएं। परिंदों और इंसानों का काल बन रहे चीनी मांझा व सामाजिक अभिशाप बने बाल विवाह रोकथाम के खिलाफ मुहिम में भाग लिया।

स्थापना दिवस पर पतंगबाजी का दौर जारी

बीकानेर। 539वां नगर स्थापना दिवस परंपराओं के साथ रविवार को मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर में खास तैयारियां शुरू हो गई हैं। घरों में मटकीयों का पूजन किया जाएगा और पारंपरिक रूप से खीचड़ा व इमरती व मिठाई जैसे व्यंजन बनाए जाएंगे। हालांकि अक्षय द्वितीय और अक्षय तृतीया की तारीखों को लेकर असमंजस बना हुआ है। शहर में स्थापना दिवस पर पारंपरिक 'चंदा' उड़ाने की परंपरा भी निभाई जाएगी। लोग अपने घरों और मोहल्लो में चंदा उड़ाकर शहर की खुशहाली की कामना करेंगे। चंदों पर पारंपरिक दोहे, संदेश और चित्र भी बनाए जा रहे हैं। स्थापना दिवस के मौके पर बीकानेर में दो दिवसीय पतंगबाजी का आयोजन होगा। सुबह से शाम तक आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से पट जाएगा। छतों पर युवाओं और बच्चों की भीड़ रहेगी और पतंगों के पेच लड़ाने का रोमांच देखने को मिलेगा। पिछले दो दिन से तेज गर्मी के बावजूद बीकानेरवासी पतंग उड़ाते नजर आए। परकोटे के भीतर बसे शहर में पतंगबाजी से पूरा आसमान पटा रहता है। पतंगबाजी को लेकर बाजारों में पतंग और मांझे की दुकानों पर अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक पतंग-मांझा खरीदते नजर आ रहे हैं। वहीं, खीचड़ा बनाने के लिए आवश्यक सामग्री जैसे गेहूं, बाजरा, मूंग, घी, चीनी, काली मिर्च, इलायची आदि की खरीदारी भी तेज हो गई है। बाजारों में तैयार खीचड़ा और अन्य सामग्री की बिक्री भी बढ़ी है। स्थापना दिवस पर घर-घर मिट्टी की मटकीयों का पूजन किया जाता है। इस परंपरा के चलते बाजारों में मटकी, हांडी, लोटड़ी और कुल्हड़ों की मांग बढ़ गई है। लोग इन मटकीयों में पानी भरकर पूजन करेंगे। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजकर सामूहिक रूप से मटकीयों का पूजन करेंगी और शहर की सुख-समृद्धि की कामना करेंगी। नगर स्थापना दिवस पर जल संरक्षण, पशु-पक्षी सेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे संदेश भी दिए जाएंगे। यह आयोजन बीकानेर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं का जीवंत उदाहरण बनेगा।

पिता चराते हैं भेड़, बेटा लाया आरएएस परीक्षा में 33वीं रैंक

बीकानेर। जिले के कोलायत के रणजीतपुरा निवासी विकास सियाग का लगातार दूसरी बार आरएएस में चयन हुआ है। विकास ने पिछले साल आए परिणाम में जहां 10वीं रैंक हासिल की थी, वहीं शनिवार को आए रिजल्ट में पांचवीं रैंक आई है। विकास इस समय ओटीएस में आरएएस की ट्रेनिंग ले रहे हैं। उनका कहना है कि वो चयन प्रक्रिया में आगे हिस्सा नहीं लेंगे ताकि दूसरे युवा को अवसर मिल सके। वहीं आरएएस परीक्षा 2024 में बीकानेर के कोलायत तहसील में छनेरी गांव के रहने वाले लोकेंद्र सिंह ने 33वीं रैंक हासिल की है। लोकेंद्र की आरएएस 2023 में 620 रैंक आया था। लेकिन कोई पोस्ट नहीं मिल पाया था।

पानी के टैंकरों की कीमत तय

बीकानेर, शहर में नहर बंदी और भीषण गर्मी को देखते हुए आमजन को सुचारू जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने निजी टैंकरों से पानी सप्लाई की दरें तय कर दी हैं। ये दरें ग्रीष्म ऋतु 2026 तक प्रभावी रहेंगी। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रमेश देव ने इसके लिए आदेश जारी किए हैं।

प्रपत्र संख्या-7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग खण्ड हनुमानगढ़
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 के अधीन
क्रमांक : मु.नं. 667 नोटिस दिनांक : 6.4.26
समस्त संबंधित व्यक्तियों को (नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री अभिषेक रतवाया ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के तहत बाल संसार रतवाया चैरिटेबल ट्रस्ट श्रीगंगानगर में नवीन न्यासी दर्ज करवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः अधिनियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिये यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां यदि कोई हो, प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियाँ प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 06/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर से अधीन जारी किया गया। प्रकरण की सुनवाई दिनांक 08/05/2026 निश्चित है।
(ओम प्रकाश) सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, हनुमानगढ़